D-001-001502 Seat No. _____

B. A. (Sem. V) (CBCS) Examination

March - 2022

Hindi : Paper-5 (Compulsory)

(Apsara Ka Saamp) (Old Course)

Faculty Code : 001
Subject Code : 001502

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (1) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।
(2) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1 यशपाल व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

1 'अप्सरा का शाप' उपन्यास की कथावस्तु लिखते हुए उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । **14**

2 राजा दुष्यंत चरित्र की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । **14**

अथवा

2 'अप्सरा का शाप' उपन्यास में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है । – विस्तारपूर्वक समझाइए । **14**

3 'अप्सरा का शाप' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिए । **14**

अथवा

3 'अप्सरा का शाप' उपन्यास में निरूपित समस्याओं पर प्रकाश डालिए । **14**

4 'अप्सरा का शाप' उपन्यास के आधार पर शकुंतला का चरित्र चित्रण कीजिए । **14**

अथवा

4 'अप्सरा का शाप' उपन्यास में यशपाल का नारी विषयक चिंतन स्पष्ट कीजिए । **14**

5 (અ) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : 7

(1) मेरा प्रिय साहित्यकार

(2) राष्ट्रीय एकता

(ब) हिन्दी से गुजराती अनुवाद कीजिए : 7

लोग कहते हैं कि मेरा जीवन नाशवान है । मुझे एक बार पढ़कर फेंक देते हैं, 'पानी केरा बुदबुदा उस अखबार की जाता पढ़ते ही छिप जाएगा ज्यों तारा प्रभात' पर मुझे अपने इस जीवन पर भी गर्व है, मर कर भी मैं दूसरों के काम आता हूँ । मेरे सच्चे प्रेमी मेरे सारे शरीर को फाइल में कम से कम संभालकर रखते है । कई लोग मेरे उपयोग अंगो कोट कर रख लेते है । मैं रद्दी बनकर भी अपने ग्राहकों की कीमत का तीसरा भाग अवश्य लौटा देता हूँ । इस तरह महान उपकारी होने के कारण मैं दूसरे दिन ही नया जीवन पाता हूँ । सज–धज के आता हूँ । सबके मन में समा जाता हूँ । तुमको भी ईर्ष्या होने लगी है न, मेरे जीवन से भाई ! ईर्ष्या नहीं, स्पर्धा करो । मेरी तरह उपकारी बनो, तुम भी सबकी आँखों के तारे बन जाओगे ।

अथवा

(ब) ગુજરાતી से हिन्दी अनुवाद कीजिए : 7

મનુસ્મૃતિ વાંચી હું એ વેળાએ અહિંસા તો ન જ શીખ્યો. માંસાહારીની વાત તો આવી ગઈ. તેનો તો મનુસ્મૃતિનો ટેકો મળ્યો. સર્પાદિ અને માંકડ આદિને મારવા એ નીતિ છે એમ પણ લાગ્યું. એ સમયે ધર્મ ગણી માંકડ આદિનો નાશ કર્યાનું મને સ્મરણ છે પણ એક વસ્તુને જડ ઘાલી - આ જગત નીતિ ઉપર નભેલું છે નીતિમાત્રનો સમાવેશ સત્યમાં છે. સત્ય તો શોધવું જ રહ્યું. દિવસે દિવસે સત્યનો મહિમા મારી નજર આગળ વધતો ગયો. સત્યની વ્યાખ્યા વિસ્તાર પામતી ગઈ અને હજુ પામતી રહી છે. વળી એક નીતિનો છપ્પો પણ હૃદયમાં ચોંટ્યો. અપકારનો બદલો અપકાર નહીં પણ ઉપકાર જ હોઈ શકે એ વસ્તુ જિંદગીનું સૂત્ર બની ગઈ. તેણે મારી ઉપર સામ્રાજ્ય ચલાવવું શરૂ કર્યું. અપકારીનું ભલું ઈચ્છવું ને કરવું એ મારો અનુરાગ થઈ પડ્યો.